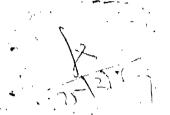
HRA an Usius The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग III—**सम्ब**ा PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं 0 2]

नई विस्ती, गुक्रवार, जनवरी 16, 1987/पौष 26, 1908

No. 21

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 16, 1987/PAUSA 26, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय, धर्जन रेंज,

हैदराबाद, 31 दिसम्बर, 1986

द्मायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भ्रजीन सुचनाएं

निर्वेश सं० घार. ये. सी. नं. 18/86-87 :— यतः मुझे टी. गोरखनाथन भायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ख के अधीन संअभ प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/स्पर्य से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है, जो गुडला पोचमाल्ली (व्हो) स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रीकर्राण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ध्रप्रैल, 1986 को पूर्णिकत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए रजिस्ट्रकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण 1463 GI|86— 1

है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/ या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और, यतः, भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय 20-क के शब्दों में पूर्ववत सम्पत्ति में भार्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा भाभिलिखित किये गए हैं।

भतः, श्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में श्रायकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:-

- (1) श्री जी. रामकृष्णा रेड्डी पिता बाल रेड्डी, घरने. 11-24, बूरटोंगुडा, बोलाराम, सिंकदराबाद।
- (2) श्री जी. महेंदर रेड्डी पिता जी. रामकृष्णा रेड्डी, घर नं. 11-24, बूरटोंगुडा, बोलाराम सिकन्दराबाद। (अन्तरक)
- (3) मैसर्स ध्रमिशेक स्टील लि०, 72 पैंग कोलनी, सिकंदराबाद, बाइ डायरेक्टर्स, गोनाल ध्रागरवाल पिता बिंद्राबान भागरवाल, और भगोक ध्रागरवाल पिता प्रल्हाद राध ध्राग्रवाल, घर नं. 21-1-390, रीकाब गंज, हैदराबाव—500002 (अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए एतद्द्वारा कार्यधाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के प्रति शाक्षेप, यदि कोई हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रुधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्केंगे।

एतद्दारा भागे यह भिन्नतृति किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए भाक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगें और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया हैं तथा सम्पत्ति के भ्रन्तरिति को वी आएगी।

एतव्द्वारा आगे यह प्रधिसुचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववत पैरा के प्रधीन सूचता दी गई है, आक्षेगों को सुनवाई के समा सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पन्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो घ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के घ्रध्याय 20के यथा परिमा-षित है, बही घर्य होगा, जो उन्न घ्रध्याय में विखाया है।

भनुसूची

बंजर कृषि भूमि सर्वे नं . 72, और 73, विस्तीर्ण 4 एकड़, और 10 गूंठे, गूंडला पोंचमपल्ली, मेडचल, जिला रंगारेड्डो, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं . 2594/86, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी मेडचल ।

तारीख: 31-12-1986

सील:

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Hyderabad, the 31st December, 1986

NOTICE UNDER SECTION 269 D [1] OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 [43 of 1961]

No. 18/1986-87 .—Whereas, Ref. т. Goraknathan being the competent authority 269 D of the Income-Tax Section 1961), have reason to Act, 1961 (43) of believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 land bearing No. land situated at Gundla Pochampally (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 to 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal, on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax, 1957 (27 of 1957):

And, whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chaper XXA of the Incometex Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- 1. Shri G. Ramakrishana Reddy, S/o Shri Bal Reddy, H. No.11-24, Burtonguda, Bollarum, Secunderabad.
- 2. Shri G. Mahender Reddy, S/o Shri G. Ramakrishana Reddy H. No. 11-24, Burtonguda, Bollaram, Secunderabad.

(Trasferor).

2. M/s. Abhishek Steels Limited,
Office at 72, Paigah Colony,
Secunderabad-500 003.
Represented by its Directors,
Shri Gopal Agarwal,
S/o Shri Bindraban Agarwal,
H. No. 72, Paigah Colony, Secunderabad, and
Shri Ashok Agarwal, Son of Shri Prahlad
Rai Agarwal No. 21-1-390, Rikab Gunj,
Hyderabad-500 002. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing survey Nos. 72 and 73 admeasuring Four Acres and Ten Guntas (4-10) situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District-registered by the sub Registrar, Medchal—vide document No. 2594/86.

Dated: 31-12-1986 Seal: Hyderabad

निर्देश सं० आर. ए. सी. नं० 18/86-87 : →यतः, मुझे टी. गोरखनायन **प्रा**यकर श्रधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मूल्य 5,00,000/-- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. भूमि है, जो गुंडला पोचम-पल्ली (व्ही) स्थित है (और इससे उपावक प्रतुस्वी में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भवीन अत्रैल, 1986 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य सेकम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्रोक्टल विलेख के मनुसार मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्य-मान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (म्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गेना ऐसे भन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रस्तरण में लिखित वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भ्रन्तरण से हुई किती भ्राय की नावत भायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचते के लिए सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किती माय या किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनयम 1922 (1922 का 11) या भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजानार्थ भन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सिए सुकर बनाना।

और, यतः, गायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्ववत सम्पत्ति में प्रर्णन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रमि-लिखित किये गए हैं। ग्रतः श्रव, धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं गायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व को उपधारा (1) के ग्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत्:---

- (1) श्री जी. रामोरेड्डी पिता बाल रेड्डी, और
- (2) श्रो जी. श्रीनिवासा रेड्डी पिता रामी रेड्डी घर नं. 9-89, बुरटोंगुडा, सिकदराबाद।
- (3) श्रीमित टी. भारती पति टी. जनार्धन रेड्डी, संतोपनगर कालोनी, हैंदराबाद
- (4) श्रीमित वो. सूगूना पति बो. जनार्धन रेड्डी, श्रालीशाबाद, हैदराबाद
- (5) श्रीनित एत. स्वरूपा पति श्री मीना रेड्डी, जनेनेटु, फलक्त्रनुमा, हैदराबाद
- (6) श्रीमिति पि. बसंता पति पि. प्रताप रेड्डी, बाह्माल, मेडचल तालूक, जिला रेगारेड्डी

(अन्तरक)

- (1) मैंसर्स श्रिभिणेक स्टील लि., 72, पैंग कालोती, सिंकदराबाद-3, रीक्रेजेंटेड बाई गोगाल अग्ररवाल, पिता बींद्राबान ग्रगरवाल, 72 पैंग कालनी, सिंकदराबाद।
- (2) श्री प्रगोप्त प्रगरभाल पिता, प्रल्हाद राइ प्रगरवाल, घर नं. 21-1-390, रीकाय गंज, हैदराबाद-500002 (अन्तरिति)

को यह सूबना जारी कर के पूर्वाक्त तमित के अर्थन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उनत सम्मत्ति के अर्थन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूनना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों, में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की [तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एलव्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगें और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति क अन्तरिति को दी जाएगी।

एतव्द्वारा भ्रागे यह भ्रधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिले पूर्वीक्त परा के भ्रधीन सूचना दी गई है ग्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो ध्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिखाया है।

भनुसूची

बंजर कृषि भूमि विस्तीर्ण 4 एकड़, सर्वे नं. 71 और 72 गूंडला पोषमपल्ली व्हीलेंज, मेडचल मंडल, जिला रंगारेड्डी, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं. 2593/86, रिजस्ट्रीकर्ता भ्रिक्षकारी मेडचल।

वाराख: 31-12-86

सोलः

No. 18/1986-87:—Whereas, I, T. Goraknathan, being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act, (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampally (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is lees than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the incometax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid poperty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Shri G. Rami Reddy, S/o Shri Bal Reddy H. No. 9-89, Burtonguda, Secunderabad;
- Shri G. Sreenivasa Reddy, Son of Shri Rami Reddy, H. No. 9-89, Burtonguda, Secunderabad;
- 3. Smt. T. Bharathi, W/o: Shri T. Janar-dhana Reddy, Santoshnagar Colony, Hyd.;
- 4. Smt. B. Suguna, W/o: Shri B. Janardhan Reddy, Aliabad, Hyderabad;
- 5. Smt. N. Swaroopa, W/o: Shri Meena Reddy, Jangamettu, Falknauma, Hyd.;
- 6. Smt. P. Vasantha, W/o: Shri P. Pratapa Reddy, Bodduppal, Medchal tk. Distt. Ranga Reddy, Hyderabad.

(Transferors)

- M/s. Abhishek Steels Ltd.,
 Office situated at 72, Paigah Colony,
 Secunderabad-500003.
- Represented by: 1, Shri Gopal Agarwal, son of Shri Bindraban Agarwal, No..72, Paigah Colony, Secunderabad.
- 2. Shri Ashok Agarwal, Son of Shri Prahlad Rai Agarwal H. No. 21-1-390, Rikab Gunj, Hyderabad-500002.

(Transferees)

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned.):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette

- or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural lands bearing part of Survey Nos. 71 and 72 admeasuring Four Acres situated at Gundla Pochamaplly Village, Medchal Mandal, Ranga Reddy District—registered by the Sub Registrar, Medchal—vide document No. 2593/86.

Date: 31-12-1986

Scal:

निर्देश सं ० 18/1986-87 :--- यतः मुझे, टी. गोरखनाथन, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के प्रधीन संधोप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृत्य 5,00,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. भूमी है, जो गं कला पोचमपल्ली विलेज स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिय्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैडचल में भारतीय रजिब्द्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रमीन 19 अप्रैल, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रिकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और भन्तरिति (भन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) के भिधीत कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या घन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घनकर मधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिति हारा प्रकट नहीं किया गया था या

किया जाना चाहिए या, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः भायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वीकत सम्पत्ति में भार्जिम के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा भाभितिकत किये गए हैं।

भ्रतः ग्रम, धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :---

- डॉ. जी. वालकृष्णा रेड्डी पिता लेट जी. बाल रेड्डी, 9/103/2, बूरटोंगुडा, बोलारम, सिकदराबाद। (झन्तरक)
- 2. मैसर्स प्रभीशेक स्टीलस् लि., पैंग कालोनी, सिकदराबाद-500003, रीप्रेजेटेंड बाई छायरेक्टर, श्री गोपाल धागरवाल पिता श्री बिन्द्राबान धागरवाल, रेसीडेंट नं. 72, पैंग कालोनी सिकदराबाद, 3, और श्री भ्रशोक भ्रागरवाल, पिता श्री प्रलाद राय धागरवाल, घर नं. 21-1-390, रोकाबगंज, हैदराबाद-500002. (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतव्दारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के धर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

- (क) इस सूचना के राज्यन्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा त्रागे यह मधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए आक्षेपां, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के प्रन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्वोवत पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की मुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के शब्दाय 20 के यथा परि-भाषित है, बहुी धर्य होगा, जो उस धन्याय में दिखाया है।

मनुसूची

बंजर कृषि भूमि सर्वे नं 71, विस्तीण दो एकड़ गूडला पोंचमपल्ली, विलेज, मेडचल मडल, जिला रेंगा-रेड्डी, रजिस्ट्रीकृत नं. 2590/86, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, मेडचल ।

तारीख 31-12-86

सोल:

Ref. No. 18/1986-87:—Whereas, I, T. Goraknathan, being the competent authority Section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampalli (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on Apr. 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

 Dr. G. Balakrishna Reddy, S/o Late G. Bal Reddy 9/103/2, Burtonguda, Bolaram, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Abhishek Steels Limited,
Office situated at 72,
Paigah Colony,
Secunderabad-500003,
represented by its Directors,

(Transferee)

(2) Shri Gopal Agrawal, S/o: Shri Bindraban Agarwal, Resident of No. 72, Paigah Colony, Secunderabad-500003 & Shri Ashok Agarwal, S/o Shri Prahalad Rai Agarwal, H. No. 21-1-390, Rikab gunj, Hyderabad-500 002.
(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official-Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing part of survey No. 71, and measuring two acres

situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District, Andhra Pradesh, registered by the Sub-Registrar, Medchalvide document No. 2590/86.

Date: 31-12-1986 Seal: Hyderabad

निर्देश सं आर ये सी नं 18/86-87 .---यतः मझे टी. गोरखनायन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के प्रजीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 5,00,000/-- रुपये से प्रधिक है और जिसकी भूमि है, जो मंडला पोचमगल्ली (वही) स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मेडवल में भारतीय रजिब्दीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रवीत 19 प्रप्रैल, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए रिअस्ट्रीकृत विसेज के प्रनुसार . भ्रन्तरिति की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यया प्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य. उसके दुश्यमान प्रतिकल से ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और भन्तरित (भन्तरितियां) के बीच तथ पाया गया ऐसे भन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्तलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण में लिखितवास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) भन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 हा 43) के श्रवीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधि-नियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने के लिए सुकर बनाना।

और तब आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भवाय 20-के के शब्दों में पूर्ववत सम्पत्ति में भ्रांन के लिए कार्यवाही गुरू करने के कारण मेरे द्वारा भ्रांमिलिखित किये गए हैं।

ग्रतः, ग्रवं, घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:--

- (1) श्री जी. रामा रेड्डी और
- (2) श्री जी. श्रीनिवासः रेड्डी, पिता श्री बाल रेड्डी, 9/89, मूरटोंगूडा, बोलारम, सिकन्दराबाद,

- (3) श्रीमित टी. भारती पति जनार्धन रेड्डी संतोष-नगर, सहदाबाद, हैदराबाद.
- (4) श्रीमिति बि. सूगुना पति बि. जनार्धन रेड्डी, श्रितीयाबाद, हैवराबाद
- (5) श्रीमती यन, स्वरूपा पति यन मीना रेड्डी, जंगामोटू, फलअनूमा, हैदराबाद
- (a) श्रीमित पि. वसंता पति पि. प्रताप रेड्डी, बेडडपाल, मेडचल सालूक (अन्तरक)
- मैससं ध्रिमशेक स्टील लि.
 72, पेंग कालोनी, बाई (1) श्री गोपाल ध्रप्रवाल पिता बिंदरबान ध्रप्रवाल, रेसीडेंस 72, पैंग कालोनी, सिकन्दराबाद
- (2) अमोक अप्रवाल पिता प्रल्हाच राज अप्रवाल, रेसीडेंस नं. 21-1-390, रकावगंज, हैदराबाद -500 002 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति श्राक्षेप, यदि कोई हो तो:-

- (क) इस सूचना के राजयदा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सर्केंगे।

एतद्द्रारा भागे यह भिष्मुचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के भर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए भाक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनदाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएगें और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा भाक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के भन्तरिति को दी जाएगी।

एतद्द्वारा ग्रागे यह प्रधिसूचित किया जाता है कि हरऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववत पैरा के ग्रधीन सूचना दी गई है, ग्राक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए ग्रधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रष्टवाय 20 के यथा परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रष्टवाय में दिखाया है।

मन् सूची

बंजर कृषि भूमि सर्वेन 71 और 72, विस्तीण 4 एकड़, गूंडला पोचमपल्ली व्हीलेज, मेडजल, जीला रंगारेड्डी, रिजिप्ट्रीकृत विलेख नं. 2559/86, रिजिप्ट्रीकृती ब्रिधिकारी मेडजल।

तारीखः : 31-12-86 मुहरः हेदराबाद

Ref. No. 18/1986-87:—Whereas, GORAKNATHAN being the competent 269 D of the authority under Section Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampalli(V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April, 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961
 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealthtax, 1957 (27 of 1957):

And, whereas, the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me:

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the

acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri G. Rami Reddy,
- (2) Shri G. Sreenivasa Reddy
 Sons of Late Shri Bal Reddy,
 9/89, Burtonguda, Bolaram,
 Secunderabad.
- (3) Smt. T. Bharathi, W/o Shri Janardhan Reddy, Santosh Nagar, Saidabad, Hyderabad.
- (4) Smt. B. Suguna, W/o Shri B. Janardhan Reddy, Aliabad, Hyderabad.
- (5) Smt. N. Swaroopa, W/o Shri N. Meena Reddy, Jangameetu, Falaknuma, Hyderabad.
- (6) Smt. P. Wasantha,W/o. Shri P. Pratap Reddy,Bodduppal, Medchal Taluk.

(Transferors)

M/s. Abhishek Steels Limited,
 Office situated at 72, Paigah Colony,
 Secunderabad-500 003.

Represented by: 1. Shri Gopal Agarwal, S/o Shri Bindraban Agarwal, Resident of No. 72, Paigah Colony, Secunderabad.

(2) Shri Ashok Agarwal,S/o Shri Prahalad Rai Agarwal,Resident of No. 21-1-390, Rikab Gunj,Hyderabad-500 002.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned: —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

SCHEDULE

All the part of dry agricultural lands bearing part of survey Nos. 71 and 72 admeasuring four acres situated at Gundla Pochampally Village, Medchal Mandal, Ranga Reddy District registered by the Sub-Registrar, Medchal-vide document No. 2559/86

Dated: 31-12-1986 Seal: Hyderabad

निर्देश सं. आर. ये. सी. न. 18/86-87: --- यतः, मुझे टी. गोरखनाथन भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपक्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 5,00,000/- रुपय से अधिक है और जिसकी भूमि है, जो गुंबलापोचमपल्ली(व्ही) स्थित है (और इससे उपागद प्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्टकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेंडचल में भारतीय रजिस्टी-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन अप्रैल, 1986 को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्टीकृत विलेज के मन-सार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण में लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत भायकर श्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) के भधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन के लिए मुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान के लिए सुकर बनाना।

और यतः भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वभन संपत्ति में श्रर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा श्रभिलिखित किये गए हैं।

श्रतः, श्रवः, धारा 269-ग के श्रनसरण में, मैं श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--

- श्री जी. रामकृष्णा रेड्डी पिता बाल रेड्डी, घर नं.
 11-24, बूरटोगूडा, बोलरम, सिकन्दराबाद
- (2) श्री जी. महेंदर रेड्डी पिता जी. रामकृष्णा रेड्डी, घर नं. 11-24, बूरटोंगृडा, बोलारम, सिकन्दराबाद (श्रन्तरक)
- (3) मैसर्स प्रभीशेंक स्टील लि., 72, पैग कॉलोनी, सिकन्दराबाद, रीप्रजेंटेड बाइ डायरेक्टर्स, गोपाल भ्रागरवाल घर नं. 72, पैग कॉलोनी, सिकन्दराबाद, और श्री भ्रशोक भ्रग्रवाल पिता प्रहलाद राथ भ्रागरवाल, घर नं. 21-1-390, रीकाबगंज. हैदराबाद-500002. (अंतरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं। उक्त संपत्ति के घ्रर्जन के प्रति घ्राक्षेप, यदि कोई हो तो:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवॉक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा संकेंगे :

एत्हारा ग्रागे यह प्रधिस्चित किया जाता है कि इस स्थावर संपत्ति के ग्रर्जन के प्रति इस सूचना के ऊपर में किए गए ग्राक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा श्राक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के ग्रन्तरिति को दी जाएगी।

एतद्द्वारा श्रागे यह श्रिष्ठसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को जिसे पूर्ववत पैरा के श्रधीन सूचना दी गई है, प्रक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए प्रधिकार होगा। स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों का जो श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के यथा परिभाषित है, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिखाया है।

अनुसूर्चा

बंजर भूमि, सर्वे नं. 72 और 73, विश्तीर्ण 4 एकड़, गूडला पोचमपल्ली व्हीलेज, मेडचल, जीला रेंगारेड्डी रिजस्ट्री-कृत विलेख नं. 2558/86 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मेडचल ।

> (टा गोरखनाथन) सक्षम श्रधिकारी (सहायक श्रायकर आयुक्स) निरीक्षण श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 31-12-1986

Ref. No. 18/1986-87 .- Whereas, I., T. Goraknathan being the competent authority under Section 269 D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000 and bearing No. land situated at Gundla Pochampalli (V) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on April 86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

And, whereas, the reasons for initiating proceed, ings for the acquisition of the aforesaid property

in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me;

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269 D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri G. Ramakrishna Reddy S/o Shri Bal Reddy, H. No. 11-24, Burtonguda, Bollarum, Secunderabad
- (2) Shr G. Mahender Reddy, S/o Shri G. Ramakrishna Reddy, H. No. 11-24, Burtonguda, Bollarum, Secunderabad. (Transferor)
- 2. M/s. Abhishek Steels Limited, Office situated at No. 72, Paigah Colony, Secunderabad-500 003, represented by its Directors, Shri Gopal Agarwal, H. No. 72, Paigah Colony, Secunderabad, and Shri Ashok Agarwal, S/o Shri Prahlad Rai Agarwal, H. No. 21-1-390 Rikabgunj, Hyderabad-500 002. (Transferee)

(Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latter.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the part of dry agricultural land bearing survey Nos. 72 and 73 admeasuring Four Acres situated at Gundla Pochampally (V), Medchal Mandal, Ranga Reddy District—registered by the Sub Registrar, Medchal—Vide document No. 2558/86.

T. GORAKNATHAN, Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad(A. P.) Date 31-12-1986

Seal: Hyderabad.